Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
T.D.C. 4th Semester Examination
Subject:- Sanskrit (Hons.)
Paper – 4th
Model Paper (Full Marks – 80)
Answer any four questions:-
किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।

अभिज्ञानशाकुन्तलम्

01. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के नामकरण की सार्थकता प्रतिपादित करें।
02. कालिदासस्य सर्वस्वमभिज्ञानशाकुन्तलम् इस उक्ति की समीक्षा करें।
03. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के प्रथम अंक की कथावस्तु स्वशब्दों में लिखें।
04. महाकवि कालिदास की काल-निर्धारण करें।
05. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थाड़क का कथानक अपनी भाषा में लिखें।
06. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के पंचम अंक का नाट्कीय महत्त्व प्रतिपादित करें।
07. दुर्वासा के शाप को नाट्कीय महत्त्व प्रतिपादित करें।
08. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के नायक का चारित्रिक वैशिष्ट्य बतावें।
09. शकुन्तला का चरित्र-चित्रण करें।
10. कण्व के चारित्रिक वैशिष्ट्यों का निरूपण करें।
11. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थाड.क का नाट्कीय महत्त्व निरूपित करें।
12. पाठ्यांश के आधार पर उपमा कालिदास उक्ति की विवेचना करें।
13. मृच्छकटिकम् के नामकरण की सार्थकता सिद्व करें।
14. प्रकरण के रूप में मृच्छकटिकम् का मूल्यांकन करें।
15. शुद्रक की नाट्यकला का विवेचन करें।
16. मृच्छकटिककालीन समाज का चरित्र कीजिए।
17. शुद्रक का काल निर्णय करें।
18. शुद्रक का जीवनवृत्त एवं कर्तव्य निरूपित करें।
19. चारूदत्त का चरित्र चित्रण करें।
20. वसन्तसेना का चरित्र चित्रण करें।
21. शकार का चरित्र चित्रण करें।
22. पाठ्यपुस्तकों के श्लोकों के अर्थ, अन्वय एवं संस्कृत भाषा में उनकी व्याख्या लिखने का अभ्यास करें।
23. प्रथम अंक से चतुर्थ अंक तक की कथावस्तु का सारांश लिखें।
24. शर्विलक का चरित्र चित्रण करें।